[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 7021 **L**

Unique Paper Code : 2443170003

Name of the Paper : DSE – III : History of Avanaddhya Vadyas

Name of the Course : **B.A. (H) HM/KM/PM**

Semester : IV/VI/VIII

Duration : 1 Hour Maximum Marks : 30

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt **Two** questions in all. All Questions carry equal marks.
3. Answers may be written either in Hindi or in English but the same medium should be followed throughout the paper.

1. इस प्रश्न –पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **कुल दो** प्रश्न कीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है।
3. इस प्रश्न पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी में से किसी एक भाषा में दीजिए परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. Discuss the origin and historical development of Avanaddha Vadyas in Indian music.

भारतीय संगीत में अवनद्ध वाद्यों की उत्पत्ति एवं ऐतिहासिक विकास पर चर्चा कीजिए।

2. Explain the construction and playing techniques of Pakhawaj, Mridangam, Khol, and Naal.

पखावज, मृदंगम, खोल एवं नाल की बनावट एवं वादन शैली की व्याख्या कीजिए।

3. Describe the types and characteristics of ancient Avanaddha Vadyas such as Bhumi Dundubhi, Dundubhi, Panava, Dardur, Karata, and Ghada.

भूमि दुन्दुभि, दुन्दुभि, पनव, दर्दुर, करताल एवं घड़ा जैसे प्राचीन अवनद्ध वाद्यों के प्रकार एवं विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

P.T.O.

4. Explain the process of making the puddi (drumhead) of Avanaddha Vadyas and its importance in sound production.

अवनद्ध वाद्यों की पुड़ी बनाने की प्रक्रिया एवं ध्वनि उत्पादन में उसके महत्व की व्याख्या कीजिए।